NATIONAL FARMERS DAY CELEBRATION
(December 24th, 2024)

Media Coverage in Various Newspapers

Compiled by

Central Library
Integral University, Lucknow

NEWS CLIPPING SERVICE
Central Library
Integral University Lucknow

December 25, 2024

हिन्द वतन
R.N.I. No. UPHIN/2004/14443

PAGE-03

इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ में राष्ट्रीय किसान दिवस का आयोजन

हिन्द वतन संवाददाता लखनऊ।

इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी इंटीग्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ के केंद्रीय सभागार में राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। किसान दिवस विशेष रूप से स्व. चौधरी चरण सिंह जी की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने भारतीय किसानों के हितों के लिए जीवन भर संघर्ष किया और देश में कृषि सुधारों की नींव रखी। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति के एक अहम नेता थे और वे 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे थे। उनका योगदान विशेष रूप से भारतीय कृषि क्षेत्र और किसानों के कल्याण के लिए अभूतपूर्व था इस आयोजन में उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह (कअर) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्री मनोज कुमार सिंह ने अपने संबोधन में किसानों के योगदान को अभूतपूर्व बताया और कहा किसान देश के अर्थतंत्र और खाद्य सुरक्षा का आधार हैं। उनके कठिन परिश्रम और समर्पण के कारण ही हमारा देश समृद्ध और सुरक्षित है। स्व. चौधरी चरण सिंह जी के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा जिन्होंने आज किसानों के अधिकारों के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया और उनके कल्याण के लिए अनेक कदम उठाए। मुख्य सचिव ने आगे कहा उत्तर प्रदेश सरकार कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने कृषि क्षेत्र में कई नए कदम उठाए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार कृषि सर्वेक्षण के लिए रिमोट सेंसिंग तकनीकों का उपयोग कर रही है, जिससे भूमि और फसल की स्थिति का सटीक आंकलन किया जा सके। इसके जरिए ये पता लगाया जा सकता है कि किस गांव में किस खेत में कौन सी फसल लगी हुई है। इसके साथ ही मौसम के पूवार्नुमान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार गूगल के साथ सहयोग करने जा रही है जिससे किसानों को वास्तविक समय में मौसम की जानकारी प्रदान की जाएगी, ताकि वे बेहतर निर्णय ले सकें। इस योजना के तहत हर गांव को कुछ किसानों के मोबाइल फोन पर ही अगले दिन के मौसम का पूवार्नुमान भेज दिया जाएगा। यह पहल किसानों के लिए फायदेमंद साबित होगी और उनकी कृषि उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी।

इसके अलावा मुख्य सचिव ने कहा कि 10 दिसंबर को वॉशिंगटन में वर्ल्ड बैंक के साथ यूपी एग्रीज नाम से 4000 करोड़ रुपये की लागत का एक प्रोजेक्ट पारित हुआ है। इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य यूपी के कम कृषि उत्पादन वाले 28 जिलों की कृषि उत्पादन क्षमता को राष्ट्रीय औसत के ऊपर लाना है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार कृषि के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्र (एऐ) बनाने की योजना पर काम कर रही है ताकि वहां से कृषि उत्पादों का निर्यात किया जा सके। उत्तर प्रदेश सरकार जेवर एयरपोर्ट पर कार्गो जहाजों के जरिए यूपी के किसानों के कृषि उत्पादनों को सीधे विदेशों में निर्यात करने की योजना पर भी काम कर रही है।

इस अवसर पर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने बताया कि पिछले 6-7 सालों में उत्तर प्रदेश में सिर्फ गन्ना मिलों से गन्ना किसानों को लगभग 2 लाख 60 हजार करोड़ रुपयों का भुगतान हो चुका है। जोकि पिछले 20 सालों में हुए भुगतान से सबसे ज्यादा है।

चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा, किसान हमारे समाज की रीढ़ हैं और हम उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। स्व. चौधरी चरण सिंह ने हमेशा किसानों की आवाज उठाई और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष किया। इस दिन हम उनके योगदान को सम्मानित करते हुए किसानों के प्रति अपनी आभार व्यक्त करते हैं।

प्रो चांसलर डॉ. सैयद नदीम अख्तर ने कहा, कृषि क्षेत्र में नवाचार और उन्नति की दिशा में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी निरंतर कार्य कर रही है और आज का यह आयोजन उसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। हम आगे भी कृषि क्षेत्र में अधिक से अधिक योगदान देने के लिए तत्पर हैं।

इस कार्यक्रम में अन्य विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) नई दिल्ली के उप निदेशक जनरल उधम सिंह गौतम और उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि निदेशालय के निदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार तोमर ने भी अपने विचार व्यक्त किए।उधम सिंह गौतम ने कहा, कृषि क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के उपयोग से किसानों को अधिक सक्षम बनाया जा सकता है, और यह देश के कृषि विकास में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। वहीं,डॉ. जितेंद्र कुमार तोमर ने कहा, हमारा प्रयास है कि किसानों तक वैज्ञानिक तरीके से कृषि ज्ञान पहुंचे, ताकि वे आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर अपनी उपज में वृद्धि होगी।कुलपति जावेद मुसर्रत ने स्वागत भाषण देते हुए कहा, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी अपने किसानों के योगदान को सराहते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन कर रही है, और हम भविष्य में कृषि क्षेत्र में और अधिक नवाचार लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीकी रजिस्ट्रार इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और डायरेक्टर, इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी ने कहा, हमारे विश्वविद्यालय का लक्ष्य न केवल कृषि शिक्षा को बढ़ावा देना है, बल्कि किसानों को उन्नत तकनीकों और वैज्ञानिक विधियों से भी अवगत कराना है ताकि वे अधिक उत्पादक और सशक्त बन सकें।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए 24 प्रगतिशील किसानों को उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर इंटीग्रल फार्मर एक्सपो का भी आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संस्थान, निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की विभिन्न कंपनियां, कृषि विज्ञान केंद्र, किसान उत्पादक संगठन और अन्य कृषि क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं ने अत्याधुनिक कृषि तकनीकों का प्रदर्शन किया।कार्यक्रम के समापन पर कृषि विभाग की विभागाध्यक्षा प्रोफेसर सबा सिद्दीकी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा, हमारा उद्देश्य न केवल किसानों को शिक्षा प्रदान करना है, बल्कि उनके समग्र विकास के लिए विभिन्न पहलुओं को सुनिश्चित करना है। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

यह आयोजन कृषि के क्षेत्र में नवाचार, विकास और किसानों की समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

December 25, 2024

PAGE-02

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
युनाइटेड भारत
हिन्दी दैनिक

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय किसान दिवस का आयोजन

युनाइटेड भारत

लखनऊ। इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के केंद्रीय सभागार में राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। किसान दिवस विशेष रूप से स्व. चौधरी चरण सिंह जी की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने भारतीय किसानों के हितों के लिए जीवन भर संघर्ष किया और देश में कृषि सुधारों की नींव रखी। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति के एक अहम नेता थे और वे 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे थे। उनका योगदान विशेष रूप से भारतीय कृषि क्षेत्र और किसानों के कल्याण के लिए अभूतपूर्व था। इस आयोजन में उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव, श्री मनोज कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्री मनोज कुमार सिंह ने अपने संबोधन में किसानों के योगदान को अभूतपूर्व बताया और कहा, ÷किसान देश के अर्थतंत्र और खाद्य सुरक्षा का आधार हैं। उनके कठिन परिश्रम और समर्पण के कारण ही हमारा देश समृद्ध और सुरक्षित है। स्व. चौधरी चरण सिंह जी के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा, जिन्होंने आज किसानों के अधिकारों के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया और उनके कल्याण के लिए अनेक क़दम उठाए। पीएम मुख्य सचिव ने आगे कहा, उत्तर प्रदेश सरकार कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने कृषि क्षेत्र में कई नए क़दम उठाए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार कृषि सर्वेक्षण के लिए रिमोट सेंसिंग तकनीकों का उपयोग कर रही है, जिससे भूमि और फसल की स्थिति का सटीक आंकलन किया जा सके। इसके ज़रिए ये पता लगाया जा सकता है कि किस गांव में किस खेत में कौन सी फसल लगी हुई है। इसके साथ ही, मौसम के पूर्वानुमान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार गूगल के साथ सहयोग करने जा रही है जिससे किसानों को वास्तविक समय में मौसम की जानकारी प्रदान की जाएगी, ताकि वे बेहतर निर्णय ले सकें। इस योजना के तहत हर गांव को कुछ किसानों के मोबाइल फोन पर ही अगले दिन के मौसम का पूर्वानुमान भेज दिया जाएगा। यह पहल किसानों के लिए फायदेमंद साबित होगी और उनकी कृषि उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी।÷ इसके अलावा मुख्य सचिव ने कहा कि 10 दिसंबर को वॉशिंगटन में वर्ल्ड बैंक के साथ यूपी एग्रीज़ नाम से 4000 करोड़ रुपये की लागत का एक प्रोजेक्ट पारित हुआ है।

सिग्मा न्यूज़

December 25, 2024

PAGE-02

इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ में राष्ट्रीय किसान दिवस का आयोजन

लखनऊ,(सिग्मा न्यूज)। इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के केंद्रीय सभागार में राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। किसान दिवस विशेष रूप से स्व. चौधरी चरण सिंह जी की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने भारतीय किसानों के हितों के लिए जीवन भर संघर्ष किया और देश में कृषि सुधारों की नींव रखी। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति के एक अहम नेता थे और वे 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे थे। उनका योगदान विशेष रूप से भारतीय कृषि क्षेत्र और किसानों के कल्याण के लिए अभूतपूर्व था। इस आयोजन में उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव, श्री मनोज कुमार सिंह (ड्रस) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्री मनोज कुमार सिंह ने अपने संबोधन में किसानों के योगदान को अभूतपूर्व बताया और कहा, किसान देश के अर्थतंत्र और खाद्य सुरक्षा का आधार हैं। उनके कठिन परिश्रम और समर्पण के कारण ही हमारा देश समृद्ध और सुरक्षित है। स्व. चौधरी चरण सिंह जी के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा, जिन्होंने आज किसानों के अधिकारों के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया और उनके कल्याण के लिए अनेक क़दम उठाए। पीएम

मुख्य सचिव ने आगे कहा, उत्तर प्रदेश सरकार कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने कृषि क्षेत्र में कई नए क़दम उठाए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार कृषि सर्वेक्षण के लिए रिमोट सेंसिंग तकनीकों का उपयोग कर रही है, जिससे भूमि और फसल की स्थिति का सटीक आंकलन किया जा सके। इसके ज़रिए ये पता लगाया जा सकता है कि किस गांव में किस खेत में कौन सी फसल लगी हुई है। इसके साथ ही, मौसम के पूर्वानुमान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार गूगल के साथ सहयोग करने जा रही है जिससे किसानों को वास्तविक समय में मौसम की जानकारी प्रदान की जाएगी, ताकि वे बेहतर निर्णय ले सकें। इस योजना के तहत हर गांव को कुछ किसानों के मोबाइल फोन पर ही अगले दिन के मौसम का पूर्वानुमान भेज दिया जाएगा। यह पहल किसानों के लिए फायदेमंद साबित होगी और उनकी कृषि उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी। इसके अलावा मुख्य सचिव ने कहा कि 10 दिसंबर को वॉशिंगटन में वर्ल्ड बैंक के साथ यूपी एग्रीज़ नाम से 4000 करोड़ रुपये की लागत का एक प्रोजेक्ट पारित हुआ है। इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य यूपी के कम कृषि उत्पादन वाले 28 ज़िलों की कृषि उत्पादन क्षमता को राष्ट्रीय औसत के ऊपर लाना है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार कृषि के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्र (स्ईं) बनाने की योजना पर काम कर रही है ताकि वहां से कृषि उत्पादों का निर्यात किया जा सके। उत्तर प्रदेश सरकार ज़ेवर एयरपोर्ट पर कार्गो जहाज़ों के ज़रिए यूपी के किसानों के कृषि उत्पादनों को सीधे विदेशों में निर्यात करने की योजना पर भी काम कर रही है। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह ने बताया कि पिछले 6-7 सालों में उत्तर प्रदेश में सिर्फ गन्ना मिलों से गन्ना किसानों को लगभग 2 लाख 60 हज़ार करोड़ रुपयों का भुगतान हो चुका है। जोकि पिछले 20 सालों में हुए भुगतान से सबसे ज्यादा है। माननीय चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा, किसान हमारे समाज की रीढ़ हैं और हम उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। स्व. चौधरी चरण सिंह जी ने हमेशा किसानों की आवाज उठाई और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष किया। इस दिन हम उनके योगदान को सम्मानित करते हुए किसानों के प्रति अपनी आभार व्यक्त करते हैं। प्रो चांसलर डॉ. सैयद नदीम अख्तर ने कहा, कृषि क्षेत्र में नवाचार और उन्नति की दिशा में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी निरंतर कार्य कर रही है और आज का यह आयोजन उसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। हम आगे भी कृषि क्षेत्र में अधिक से अधिक योगदान देने के लिए तत्पर हैं। इस कार्यक्रम में अन्य विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ड्डक्र), नई दिल्ली के उप निदेशक जनरल श्री उधम सिंह गौतम और उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि निदेशालय के निदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार तोमर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। श्री उधम सिंह गौतम ने कहा, कृषि क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के उपयोग से किसानों को अधिक सक्षम बनाया जा सकता है, और यह देश के कृषि विकास में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। वहीं, डॉ. जितेंद्र कुमार तोमर ने कहा, हमारा प्रयास है कि किसानों तक वैज्ञानिक तरीके से कृषि ज्ञान पहुंचे, ताकि वे आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर अपनी उपज में वृद्धि होगी। माननीय कुलपति, जावेद मुसर्रत ने स्वागत भाषण देते हुए कहा, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी अपने किसानों के योगदान को सराहते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन कर रही है, और हम भविष्य में कृषि क्षेत्र में और अधिक नवाचार लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीक़ी रजिस्ट्रार, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और डायरेक्टर, इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी ने कहा, हमारे विश्वविद्यालय का लक्ष्य न केवल कृषि शिक्षा को बढ़ावा देना है, बल्कि किसानों को उन्नत तकनीकों और वैज्ञानिक विधियों से भी अवगत कराना है ताकि वे अधिक उत्पादक और सशक्त बन सकें। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए 24 प्रगतिशील किसानों को उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर इंटीग्रल फार्मर एक्सपो का भी आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संस्थान, निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की विभिन्न कंपनियां, कृषि विज्ञान केंद्र, किसान उत्पादक संगठन और अन्य कृषि क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं ने अत्याधुनिक कृषि तकनीकों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के समापन पर कृषि विभाग की विभागाध्यक्षा प्रोफेसर सबा सिद्दीक़ी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा, हमारा उद्देश्य न केवल किसानों को शिक्षा प्रदान करना है, बल्कि उनके समग्र विकास के लिए विभिन्न पहलुओं को सुनिश्चित करना है। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। यह आयोजन कृषि के क्षेत्र में नवाचार, विकास और किसानों की समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

December 25, 2024

कैनविज टाइम्स

PAGE-03

किसान देश के अर्थतंत्र और खाद्य सुरक्षा का आधार : मुख्य सचिव

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के केंद्रीय सभागार में राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। किसान दिवस विशेष रूप से स्व. चौधरी चरण सिंह की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने भारतीय किसानों के हितों के लिए जीवन भर संघर्ष किया और देश में कृषि सुधारों की नींव रखी। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति के एक अहम नेता थे और वे 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे थे। उनका योगदान विशेष रूप से भारतीय कृषि क्षेत्र और किसानों के कल्याण के लिए अभूतपूर्व था। इस आयोजन में उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह आईएएस मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस मौके पर उन्होंने अपने संबोधन में किसानों के योगदान को अभूतपूर्व बताया और कहा, ''किसान देश के अर्थतंत्र और खाद्य सुरक्षा का आधार हैं। उनके कठिन परिश्रम और समर्पण के कारण ही हमारा देश समृद्ध और सुरक्षित है। उत्तर प्रदेश

सरकार कृषि सर्वेक्षण के लिए रिमोट सेंसिंग तकनीकों का उपयोग कर रही है, जिससे भूमि और फसल की स्थिति का सटीक आंकलन किया जा सके। इसके ज़रिए ये पता लगाया जा सकता है कि किस गांव में किस खेत में कौन सी फसल लगी हुई है। साथ ही, मौसम के पूर्वानुमान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार गूगल के साथ सहयोग करने जा रही है जिससे किसानों को वास्तविक समय में मौसम की जानकारी प्रदान की जाएगी, ताकि वे बेहतर निर्णय ले सकें। इस योजना के तहत हर गांव को कुछ किसानों के मोबाइल फोन पर ही अगले दिन के मौसम का पूर्वानुमान भेज दिया जाएगा। इसके अलावा मुख्य सचिव ने कहा कि 10 दिसंबर को वॉशिंगटन में वर्ल्ड बैंक के साथ यूपी एग्रीज़ नाम से 4000 करोड़ रुपये की लागत का एक प्रोजेक्ट पारित हुआ है। इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य यूपी के कम कृषि उत्पादन वाले 28 ज़िलों की कृषि उत्पादन क्षमता को राष्ट्रीय औसत के ऊपर लाना है। वहीं प्रो चांसलर डॉ. सैयद नदीम अख्तर ने कहा कि कृषि क्षेत्र में नवाचार और उन्नति की दिशा में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी निरंतर कार्य कर रही है और आज का यह आयोजन उसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। हम आगे भी कृषि क्षेत्र में अधिक से अधिक योगदान देने के लिए तत्पर हैं। कार्यक्रम में अन्य विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उप निदेशक जनरल उधम सिंह गौतम और उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि निदेशालय के निदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार तोमर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कुलपति, जावेद मुसर्रत ने कहा कि इंटीग्रल यूनिवर्सिटी अपने किसानों के योगदान को सराहते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन कर रही है, और हम भविष्य में कृषि क्षेत्र में और अधिक नवाचार लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीकी रजिस्ट्रार, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और डायरेक्टर, इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय का लक्ष्य न केवल कृषि शिक्षा को बढ़ावा देना है, बल्कि किसानों को उन्नत तकनीकों और वैज्ञानिक विधियों से भी अवगत कराना है ताकि वे अधिक उत्पादक और सशक्त बन सकें।

December 25, 2024

PAGE-04

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

स्वतंत्र भारत

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

राष्ट्रीय किसान दिवस का आयोजन

स्वतंत्र भारत निलमथा। इंटीगल यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। किसान दिवस विशेष रूप से स्व. चौधरी चरण सिंह की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने भारतीय किसानों के हितों के लिए जीवन भर संघर्ष किया और देश में कृषि सुधारों की नींव रखी। मुख्य सचिव, मनोज कुमार सिंह मुख्य अतिथि रहे। चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर ने कहा, किसान हमारे समाज की रीढ़ हैं और हम उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उप निदेशक जनरल उधम सिंह गौतम और कृषि निदेशालय के निदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार तोमर, कुलपति, जावेद मुसर्रत,प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीकी रजिस्ट्रार, विभागाध्यक्षा प्रोफेसर सबा सिद्दीकी शामिल रहे।

December 25, 2024

PAGE-02

इन्क़िलाबी नज़र

लखनऊ, बुधवार, 25 दिसम्बर, 2024

देश के अर्थतंत्र और खाद्य सुरक्षा का आधार हैं किसान

लखनऊ (सं)। किसान देश के अर्थतंत्र और खाद्य सुरक्षा का आधार हैं। उनके कठिन परिश्रम और समर्पण के कारण ही हमारा देश समृद्ध और सुरक्षित है। यह बात इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी में आयोजित राष्ट्रीय किसान दिवस के आयोजन पर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहीं।

उन्होंने कहा कि स्व. चौधरी चरण सिंह के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। जिन्होंने आज किसानों के अधिकारों के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया और उनके कल्याण के लिए अनेक कदम उठाए। मुख्य सचिव ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने कृषि क्षेत्र में कई नए कदम उठाए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार कृषि सर्वेक्षण के लिए रिमोट सेंसिंग तकनीकों का उपयोग कर रही है। जिससे भूमि और फसल की स्थिति का सटीक आंकलन किया जा सके। इस मौके पर मुख्य सचिव ने बताया कि बीते 10 दिसंबर को वॉशिंगटन में वर्ल्ड बैंक के साथ यूपी एग्रीज नाम से 4000 करोड़ रुपये की लागत का एक प्रोजेक्ट पारित हुआ है। इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य यूपी के कम कृषि उत्पादन वाले 28 जिलों की कृषि उत्पादन क्षमता को राष्ट्रीय औसत के ऊपर लाना है।

NEWS CLIPPING SERVICE
Central Library
Integral University Lucknow

December 25, 2024

बिजनौर टुडे

किसान देश के अर्थतंत्र और खाद्य सुरक्षा का आधार हैं -मुख्य सचिव

बिजनौर टुडे = सतवीर सिंह, लखनऊ

लखनऊ । किसान देश के अर्थतंत्र और खाद्य सुरक्षा का आधार हैं। उनके कठिन परिश्रम और समर्पण के कारण ही हमारा देश समृद्ध और सुरक्षित है। यह बात इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी में आयोजित राष्ट्रीय किसान दिवस के आयोजन पर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहीं। उन्होंने कहा कि स्व. चौधरी चरण सिंह के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। जिन्होंने आज किसानों के अधिकारों के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया और उनके कल्याण के लिए अनेक कदम उठाए। मुख्य सचिव ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने कृषि क्षेत्र में कई नए कदम उठाए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार कृषि सर्वेक्षण के लिए रिमोट सेंसिंग तकनीकों का उपयोग कर रही है। जिससे भूमि और फ सल की स्थिति का सटीक आंकलन किया जा सके। इस मौके पर मुख्य सचिव ने बताया कि बीते 10 दिसंबर को वॉशिंगटन में वर्ल्ड बैंक के साथ यूपी एग्रीज नाम से 4000 करोड़ रुपये की लागत का एक प्रोजेक्ट पारित हुआ है। इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य यूपी के कम कृषि उत्पादन वाले 28 जिलों की कृषि उत्पादन क्षमता को राष्ट्रीय औसत के ऊपर लाना है।

December 25, 2024

राष्ट्रीय किसान दिवस पर कृषि विज्ञान केंद्र मनकापुर को पुरस्कृत किया गया

अवध नगरी संवाददाता

गोन्डा–इंटीग्रल विश्वविद्यालय कुर्सी रोड लखनऊ के द्वारा राष्ट्रीय किसान दिवस का आयोजन 24 दिसंबर 2024 को किया गया । इस अवसर पर खेती में उल्लेखनीय कार्य करने वाले प्रदेश के विभिन्न जनपदों के कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषको को पुरस्कृत किया गया । कृषि विज्ञान केंद्र मनकापुर गोंडा को इंटीग्रल विश्वविद्यालय कृषि स्नातक अंतिम वर्ष के रावे छात्रों का सफल प्रशिक्षण कराने हेतु पुरस्कृत किया गया । डॉ. रामलखन सिंह वरिष्ठ वैज्ञानिक शस्य विज्ञान द्वारा पुरस्कार प्राप्त किया गया । इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र मनकापुर द्वारा प्रशिक्षित प्रगतिशील कृषक राजेश कुमार वर्मा ग्राम छिटईजोत विकासखंड मनकापुर जनपद गोंडा के द्वारा अमरूद प्रजाति पिंक ताइवान की खेती करने पर पुरस्कृत किया गया । प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए । इस अवसर पर डा. यू एस गौतम उप महानिदेशक कृषि प्रसार, इंटीग्रल विश्वविद्यालय के कुलपति मो. जावेद मुशर्रफ, डॉ. सबा सिद्दीकी अध्यक्ष कृषि विज्ञान संकाय, मो. जुबेर अध्यक्ष मीडिया विभाग, डॉ.स्मृति मृदा विज्ञान विभाग,डॉ.अंबरीश यादव शस्य विज्ञान विभाग आदि उपस्थित रहे । राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर एक कृषि प्रदर्शनी एवं किसान गोष्ठी का भी आयोजन किया गया । कृषि प्रदर्शनी में कृषि विज्ञान केन्द्रों बहराइच प्रथम, सीतापुर, हैदरगढ़ बाराबंकी, हरदोई आदि, राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान लखनऊ, केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान लखनऊ आदि के द्वारा उन्नत कृषि तकनीक का मॉडल प्रदर्शित कर कृषकों को तकनीकी जानकारी दी गई ।

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में विकास कार्यों की मण्डलीय समीक्षा बैठक २६ दिसंबर को

अवध नगरी संवाददाता

बस्ती। मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में विकास कार्यो की मण्डलीय समीक्षा बैठक अब 26 दिसम्बर 2024 को पूर्वान्ह 10.30 बजे से आयुक्त कार्यालय सभागार में आयोजित किया जायेंगा। उक्त जानकारी संयुक्त विकास आयुक्त बलराम कुमार ने दी है।

December 25, 2024

PAGE-mycity VII

अमर उजाला

किसान देश की खाद्य सुरक्षा का आधार : मुख्य सचिव

इंटीग्रल विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में मौजूद मुख्य सचिव मनोज सिंह। स्रोत : इंटीग्रल विवि

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के केंद्रीय सभागार में राष्ट्रीय किसान दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य सचिव मनोज सिंह ने कहा कि किसान देश के अर्थतंत्र और खाद्य सुरक्षा का आधार हैं। उनके कठिन परिश्रम और समर्पण के कारण ही हमारा देश समृद्ध और सुरक्षित है।

उन्होंने कहा कि कृषि सर्वेक्षण के लिए रिमोट सेंसिंग तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। मौसम के पूर्वानुमान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार गूगल के साथ सहयोग करने जा रही है जिससे किसानों को वास्तविक समय में मौसम की जानकारी प्रदान की जाएगी, ताकि वे बेहतर निर्णय ले सकें। कार्यक्रम में चांसलर प्रो. डॉ. सैयद नदीम अख्तर, कुलपति जावेद मुसर्रत, रजिस्ट्रार हासिर सिद्दीकी आदि उपस्थित रहे।

December 25, 2024

PAGE-08

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

रिमोट सेंसिंग से फसलों की जानकारी: मुख्य सचिव

इंटीग्रल इंस्टीट्यूट में राष्ट्रीय किसान दिवस के मौके पर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह।

- राष्ट्रीय किसान दिवस पर आयोजित हुआ कार्यक्रम
- 24 प्रगतिशील किसानों को दिया गया सम्मान

लखनऊ, संवाददाता। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि यूपी सरकार कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयासरत है। सरकार ने कृषि क्षेत्र में कई नए कदम उठाए हैं। सरकार कृषि सर्वेक्षण के लिए रिमोट सेंसिंग तकनीकों का उपयोग कर रही है, जिससे भूमि और फसल की स्थिति का सटीक आंकलन किया जा सके। इसके जरिए ये पता लगाया जा सकता है कि किस गांव में किस खेत में कौन सी फसल लगी हुई है।

इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी की ओर से राष्ट्रीय किसान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि किसान देश के अर्थतंत्र और खाद्य सुरक्षा का आधार हैं। स्व. चौधरी चरण सिंह के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा, जिन्होंने आज किसानों के अधिकारों के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया और उनके कल्याण के लिए अनेक कदम उठाए। कुलपति जावेद मुसर्रत ने कहा कि 24 प्रगतिशील किसानों को उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इंटीग्रल फार्मर एक्सपो का भी आयोजन हुआ। चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर, प्रो चांसलर डॉ. सैयद नदीम अख्तर, विशिष्ट अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद आदि ने विचार रखे।

NEWS CLIPPING SERVICE
Central Library
Integral University Lucknow

December 25, 2024

PAGE-02

انقلاب
THE INQUILAB
قوموں کی حیات ان کے تخیل پہ ہے موقوف (اقبال)

ریموٹ سینسنگ سے ہر کھیت کی فصل کی جانکاری ملے گی: چیف سکریٹری

کسان ہمارے معاشرے میں ریڑھ کی ہڈی کی حیثیت رکھتے ہیں: پروفیسر سید وسیم اختر، انٹیگرل یونیورسٹی میں 'راشٹریہ کسان دیوس' کا اہتمام، کسانوں کی فلاح و بہبود اور زراعت میں نئی تکنیک پر زور

پروگرام کا افتتاح کرتے ہوئے چیف سکریٹری منوج کمار سنگھ، چانسلر سید وسیم اختر و دیگر۔

لکھنؤ (انقلاب نیوز) ریاستی حکومت زراعت میں ریموٹ سینسنگ تکنیک کا استعمال کر رہی ہے تاکہ یہ پتہ لگایا جا سکے کہ کس گاؤں میں کس کھیت میں کون سی فصل لگی ہوئی ہے۔ موسم کا پہلے سے اندازہ لگانے کیلئے یوپی سرکار گوگل کے ساتھ اشتراک کرنے جا رہی ہے، تاکہ کسانوں کو بروقت موسم کی جانکاری مل سکے، ہر گاؤں کے کچھ کسانوں کو موبائل فون پر ہی اگلے دن کے موسم کا اندازہ بھیج دیا جائے گا۔ ان خیالات کا اظہار ریاست کے چیف سکریٹری منوج کمار سنگھ نے منگل کو انٹیگرل یونیورسٹی کے انسٹی ٹیوٹ آف ایگریکلچرل سائنسز اینڈ ٹیکنالوجی میں 'راشٹریہ کسان دیوس' پر منعقد پروگرام سے کیا۔ چیف سکریٹری نے کہا کہ کسان ملک کی معیشت اور غذائی تحفظ کی بنیاد ہیں۔ ریاستی حکومت جیور ہوائی اڈے پر کارگو جہازوں کے ذریعے یوپی کے کسانوں کی زرعی پیداوار کو براہ راست بیرونی ممالک کو برآمد کرنے کے منصوبے پر بھی کام کر رہی ہے۔ انہوں نے کہا کہ سابق وزیر اعظم چودھری چرن سنگھ نے کسانوں کے حقوق کے لئے جد و جہد کیا اور انہیں بااختیار بنایا۔ ان کی کوششوں سے آج ہم زراعت کے شعبے میں ترقی دیکھ رہے ہیں۔

انٹیگرل یونیورسٹی کے چانسلر پروفیسر سید وسیم اختر نے کہا کہ کسان ہمارے سماج کی ریڑھ ہیں اور ہم ان کی ہر ممکن مدد اور ہمہ گیر ترقی کیلئے پر عزم ہیں۔ چودھری چرن سنگھ نے ہمیشہ کسانوں کیلئے آواز بلند کی اور ان کے حقوق کیلئے جد و جہد کی۔ انہوں نے کہا کہ یونیورسٹی زراعت سیکٹر کی ترقی کیلئے مسلسل کام کر رہی ہے اور آج کا پروگرام اسی عزم کا حصہ ہے۔ ہم آئندہ بھی اس سیکٹر میں زیادہ سے زیادہ شراکت کیلئے پر عزم ہیں۔

آئی سی اے آر کے ڈپٹی ڈائریکٹر اودھم سنگھ گوتم نے کہا کہ کسانوں کو جدید ٹیکنالوجی سے زیادہ مضبوط بنایا جا سکتا ہے۔ ایگریکلچر ڈائریکٹر ڈاکٹر جیتندر کمار تومر نے کہا کہ سائنسی طریقوں سے کسانوں کی پیداوار بڑھانے کی کوشش کی جا رہی ہے۔

پرو چانسلر ڈاکٹر سید ندیم اختر نے کہا کہ یونیورسٹی زرعی شعبے میں جدت اور ترقی کے لیے مسلسل کام کر رہی ہے اور آج کی تقریب اسی عزم کا منہ بولتا ثبوت ہے۔ ہم مستقبل میں زرعی شعبے میں مزید تعاون کرنے کے لئے پر عزم ہیں۔ وائس چانسلر جاوید مسرت نے خطبہ استقبالیہ پیش کرتے ہوئے کہا کہ انٹیگرل یونیورسٹی زرعی شعبے میں زیادہ سے زیادہ کام کرنے کیلئے پر عزم ہے۔ رجسٹرار پروفیسر محمد حارث صدیقی نے کہا کہ یونیورسٹی کا مقصد نہ صرف زرعی تعلیم کو فروغ دینا ہے بلکہ کسانوں کو جدید ٹیکنالوجی اور سائنسی ایجادات سے روشناس کرانا بھی ہے تاکہ وہ ترقی یافتہ بن سکیں۔ پروگرام کے اختتام پر شعبہ زراعت کی سربراہ پروفیسر صبا صدیقی نے رسم شکریہ ادا کیا۔ پروگرام میں ریاست کے ۲۴ کسانوں کو اعزاز سے نوازا گیا، ساتھ ہی انٹیگرل فارمر ایکسپو میں جدید ترین زرعی ٹیکنالوجی کی نمائش بھی لگائی گئی تھی۔

December 25, 2024

PAGE-02

ROZNAMA RASHTRIYA SAHARA LUCKNOW

روزنامہ راشٹریہ سہارا

انٹیگرل یونیورسٹی میں کسانوں کے اعزاز میں تقریب

لکھنؤ (پریس ریلیز)

انٹیگرل انسٹی ٹیوٹ آف ایگریکلچرل سائنسز اینڈ ٹکنالوجی (آئی آئی اے ایس ٹی) انٹیگرل یونیورسٹی میں آج کا دن کسانوں کے قومی دن کے طور پر منایا گیا جس کا اہتمام انٹیگرل کے شعبۂ زراعت نے کیا تھا۔ تقریب کے انعقاد کا مقصد معاشرے میں غذائی اجناس کی حفاظت کو یقینی بنانے اور زرعی طور طریقوں کو برقرار رکھنے میں کسانوں کی شراکت کا احترام کرنا اور اسے سماج میں ایک مقام عطا کرنا تھا۔

اس موقع پر انٹیگرل یونیورسٹی کے بانی چانسلر پروفیسر سید وسیم اختر نے اپنے خیالات کا اظہار کرتے ہوئے کہا کہ کسان ہمارے معاشرے میں ریڑھ کی ہڈی کی حیثیت رکھتے ہیں اور ہم انھیں ہر ممکن تعاون فراہم کرنے کیلئے پرعزم ہیں۔ آنجہانی چودھری چرن سنگھ ہمیشہ کسانوں کے حقوق کیلئے کھڑے رہے اور ان کیلئے جدوجہد کی۔ آج ہم ان کے تعاون کا احترام کرتے ہیں اور کسانوں کے تئیں ہم ان کے مشکور ہیں۔ پرو چانسلر ڈاکٹر سید ندیم اختر نے کہا کہ انٹیگرل یونیورسٹی زرعی شعبے میں جدت وترقی کیلئے مسلسل کام کررہی ہے اور آج کی تقریب اسی عزم کا منہ بولتا ثبوت ہے۔ ہم مستقبل میں زرعی شعبے میں مزید تعاون کرنے کیلئے پرعزم ہیں۔ چیف سکریٹری منوج کمار سنگھ نے بطور مہمان خصوصی شرکت کی۔ یونیورسٹی کے وائس چانسلر جاوید مسرت نے استقبالیہ کلمات پیش کیے۔ دیگر معزز مہمانوں میں ادھم سنگھ گوتم ڈپٹی ڈائریکٹر جنرل انڈین کونسل آف ایگریکلچرل ریسرچ نئی دہلی اور ڈاکٹر جتیندر کمار تومر ڈائریکٹر ڈائریکٹوریٹ آف ایگریکلچر اترپردیش شامل تھے۔ پروفیسر محمد حارث صدیقی رجسٹرار انٹیگرل یونیورسٹی و ڈائریکٹر انٹیگرل انسٹی ٹیوٹ آف ایگریکلچرل سائنسز اینڈ ٹکنالوجی نے تعارفی کلمات ادا کیے۔ تقریب میں ریاست کے مختلف اضلاع سے تعلق رکھنے والے 24 ترقی پسند کسانوں کو ان کی انمول شراکت کیلئے اعزاز سے نوازا گیا۔ تقریب میں انٹیگرل فارمر ایکسپو بھی منعقد کیا گیا۔ پروگرام کے اختتام پر شعبۂ زراعت کی چیئرپرسن پروفیسر صبا صدیقی نے اظہار تشکر کیا۔

NEWS CLIPPING SERVICE

Central Library

Integral University Lucknow

December 25, 2024

PAGE-11

राष्ट्रीय सहारा

देश के अर्थतंत्र और खाद्य सुरक्षा का आधार हैं किसान

लखनऊ। इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए 24 प्रगतिशील किसानों को उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान मनोज कुमार सिंह ने कहा कि किसान देश के अर्थतंत्र और खाद्य सुरक्षा का आधार है। उनके कठिन परिश्रम और समर्पण के कारण ही हमारा देश समृद्ध और सुरक्षित है।

AIR News Lucknow
@airnews_lucknow

➡️राष्ट्रीय किसान दिवस के उपलक्ष्य में आज फार्मर्स डे का आयोजन #लखनऊ स्थित इंटीग्रल विश्वविद्यालय में किया गया

➡️कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कृषि के क्षेत्र में विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की

#FarmersDay

Translate post

December 25, 2024

यूपी के करोड़ों किसानों की बदल जाएगी किस्मत, कृषि उत्पादों को सीधे विदेशों में Export करने की प्लानिंग

UP News: मुख्य सचिव मनोज सिंह ने आगे कहा कि मौसम के पूर्वानुमान के लिए यूपी सरकार गूगल के साथ सहयोग करने जा रही है, जिससे किसानों को वास्तविक समय में मौसम की जानकारी प्रदान की जाएगी, ताकि वे बेहतर निर्णय ले सकें.

उत्तर प्रदेश सरकार कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयासरत है.

हमारे देश की 80% आबादी खेती किसानी पर ही निर्भर है. वहीं केंद्र और राज्य की योगी सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है. इसी क्रम में यूपी के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि वर्ल्ड बैंक द्वारा 4000 करोड़ रुपये की लागत की यूपी एग्रीज़ परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई है. इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य यूपी के कम कृषि उत्पादन वाले 28 ज़िलों की कृषि उत्पादन क्षमता को राष्ट्रीय औसत के ऊपर लाना है. इसके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार कृषि के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) बनाने की योजना पर काम कर रही है, ताकि वहां से कृषि उत्पादों का निर्यात किया जा सके.

उत्तर प्रदेश सरकार ज़ेवर एयरपोर्ट पर कार्गो जहाज़ों के ज़रिए यूपी के किसानों के कृषि उत्पादनों को सीधे विदेशों में निर्यात करने की योजना पर भी काम कर रही है. यह बातें मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के केंद्रीय सभागार में राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के दौरान कहीं.

किसान देश के अर्थतंत्र और खाद्य सुरक्षा का आधार

सिंह ने कहा कि किसान देश के अर्थतंत्र और खाद्य सुरक्षा का आधार हैं. उनके कठिन परिश्रम और समर्पण के कारण ही हमारा देश समृद्ध और सुरक्षित है. स्व. चौधरी चरण सिंह के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा, जिन्होंने आज किसानों के अधिकारों के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया और उनके कल्याण के लिए अनेक क़दम उठाए.

December 25, 2024

यूपी के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि कृषि सर्वेक्षण के लिए रिमोट सेंसिंग तकनीकों का उपयोग

उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयासरत है. उत्तर प्रदेश सरकार ने कृषि क्षेत्र में कई नए क़दम उठाए हैं. उत्तर प्रदेश सरकार कृषि सर्वेक्षण के लिए रिमोट सेंसिंग तकनीकों का उपयोग कर रही है, जिससे भूमि और फसल की स्थिति का सटीक आंकलन किया जा सके. इसके ज़रिए ये पता लगाया जा सकता है कि किस गांव में किस खेत में कौन सी फसल लगी हुई है.

यूपी सरकार गूगल के साथ करने जा रही सहयोग

मुख्य सचिव मनोज सिंह ने आगे कहा कि मौसम के पूर्वानुमान के लिए यूपी सरकार गूगल के साथ सहयोग करने जा रही है, जिससे किसानों को वास्तविक समय में मौसम की जानकारी प्रदान की जाएगी, ताकि वे बेहतर निर्णय ले सकें. इस योजना के तहत हर गांव को कुछ किसानों के मोबाइल फोन पर ही अगले दिन के मौसम का पूर्वानुमान भेज दिया जाएगा. यह पहल किसानों के लिए फायदेमंद साबित होगी और उनकी कृषि उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी.

गन्ना किसानों को अबतक 2 लाख 60 हज़ार करोड़ का भुगतान

उन्होंने बताया कि पिछले 6-7 सालों में उत्तर प्रदेश में सिर्फ गन्ना मिलों से गन्ना किसानों को लगभग 2 लाख 60 हज़ार करोड़ रुपयों का भुगतान हो चुका है, जोकि पिछले 20 सालों में हुए भुगतान से सबसे ज्यादा है. वहीं कृषि निदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार तोमर ने कहा कि हमारा प्रयास है कि किसानों तक वैज्ञानिक तरीके से कृषि ज्ञान पहुंचे, ताकि वे आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर अपनी उपज में वृद्धि होगी.

दलहन और तिलहन में यूपी को आत्मनिर्भर बनाने की तैयारी

डॉ. तोमर ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार तिलहनी और दलहनी फसलों की खेती को बढ़ावा दे रही है. दलहन और तिलहन में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग का प्लान बनाया गया है. योजना पर करीब 236 करोड़ रुपये खर्च होंगे. सरकार किसानों को ट्रेनिंग भी देगी. प्रगतिशील किसानों के यहां डिमांस्ट्रेशन (प्रदर्शन) और किसान पाठशालाओं के जरिए विशेषज्ञों द्वारा खेती के उन्नत तौर-तरीकों की जानकारी दी जाएगी. विश्व बैंक की मदद से चलने वाली यूपी एग्रीज योजना भी दलहन और तिलहन में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने में मददगार होगी.

December 25, 2024

THE TIMES OF INDIA

PAGE-03

Farmers' Day event at Integral varsity

Integral Institute of Agricultural Sciences and Technolog (IIAST), Integral University, Lucknow organised National Farmers' Day on Tuesday to honor and recognise contributions of farmers to society, particularly in ensuring food security and sustaining agricultural practices. UP chief secretary Manoj Kumar Singh was chief guest on the occasion. University chancellor Prof Syed Waseem Akhtar and pro chancellor Syed Nadeem Akhtar were also present. Vice chancellor Javed Musarrat welcomed the guests.

SS

December 24, 2024

इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ में राष्ट्रीय किसान दिवस का आयोजन

लखनऊ। इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के केंद्रीय सभागार में राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। किसान दिवस विशेष रूप से स्व. चौधरी चरण सिंह जी की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने भारतीय किसानों के हितों के लिए जीवन भर संघर्ष किया और देश में कृषि सुधारों की नींव रखी। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति के एक अहम नेता थे और वे 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे थे। उनका योगदान विशेष रूप से भारतीय कृषि क्षेत्र और किसानों के कल्याण के लिए अभूतपूर्व था।

इस आयोजन में उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव, श्री मनोज कुमार सिंह (IAS) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्री मनोज कुमार सिंह ने अपने संबोधन में किसानों के योगदान को अभूतपूर्व बताया और कहा, "किसान देश के अर्थतंत्र और खाद्य सुरक्षा का आधार हैं। उनके कठिन परिश्रम और समर्पण के कारण ही हमारा देश समृद्ध और सुरक्षित है। स्व.चौधरी चरण याद रखा जाएगा,जिन्होंने आज किसानों के अधिकारों के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया और उनके कल्याण के लिए अनेक क़दम उठाए।" पीएम

मुख्य सचिव ने आगे कहा, "उत्तर प्रदेश सरकार कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने कृषि क्षेत्र में कई नए क़दम उठाए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार कृषि सर्वेक्षण के लिए रिमोट सेंसिंग तकनीकों का उपयोग कर रही है, जिससे भूमि और फसल की स्थिति का सटीक आंकलन किया जा सके। इसके ज़रिए ये पता लगाया जा सकता है कि किस गांव में किस खेत में कौन सी फसल लगी हुई है। इसके साथ ही, मौसम के पूर्वानुमान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार गूगल के साथ सहयोग करने जा रही है जिससे किसानों को वास्तविक समय में मौसम की जानकारी प्रदान की जाएगी, ताकि वे बेहतर निर्णय ले सकें। इस योजना के तहत हर गांव को कुछ किसानों के मोबाइल फोन पर ही अगले दिन के मौसम का पूर्वानुमान भेज दिया जाएगा। यह पहल किसानों के लिए फायदेमंद साबित होगी और उनकी कृषि उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी।"

इसके अलावा मुख्य सचिव ने कहा कि 10 दिसंबर को वॉशिंगटन में वर्ल्ड बैंक के साथ यूपी एग्रीज़ नाम से 4000 करोड़ रुपये की लागत का एक प्रोजेक्ट पारित हुआ है।

December 24, 2024

इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य यूपी के कम कृषि उत्पादन वाले 28 ज़िलों की कृषि उत्पादन क्षमता को राष्ट्रीय औसत के ऊपर लाना है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार कृषि के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) बनाने की योजना पर काम कर रही है ताकि वहां से कृषि उत्पादों का निर्यात किया जा सके। उत्तर प्रदेश सरकार ज़ेवर एयरपोर्ट पर कार्गो जहाज़ों के ज़रिए यूपी के किसानों के कृषि उत्पादनों को सीधे विदेशों में निर्यात करने की योजना पर भी काम कर रही है।"

इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह ने बताया कि "पिछले 6-7 सालों में उत्तर प्रदेश में सिर्फ गन्ना मिलों से गन्ना किसानों को लगभग 2 लाख 60 हज़ार करोड़ रुपयों का भुगतान हो चुका है। जोकि पिछले 20 सालों में हुए भुगतान से सबसे ज्यादा है।"

माननीय चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा, "किसान हमारे समाज की रीढ़ हैं और हम उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। स्व. चौधरी चरण सिंह जी ने हमेशा किसानों की आवाज उठाई और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष किया। इस दिन हम उनके योगदान को सम्मानित करते हुए किसानों के प्रति अपनी आभार व्यक्त करते हैं।"

प्रो चांसलर डॉ. सैयद नदीम अख्तर ने कहा,"कृषि क्षेत्र में नवाचार और उन्नति की दिशा में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी निरंतर कार्य कर रही है और आज का यह आयोजन उसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। हम आगे भी कृषि क्षेत्र में अधिक से अधिक योगदान देने के लिए तत्पर हैं।"

इस कार्यक्रम में अन्य विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR), नई दिल्ली के उप निदेशक जनरल श्री उधम सिंह गौतम और उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि निदेशालय के निदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार तोमर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। श्री उधम सिंह गौतम ने कहा,"कृषि क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के उपयोग से किसानों को अधिक सक्षम बनाया जा सकता है,और यह देश के कृषि विकास में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।"वहीं डॉ. जितेंद्र कुमार तोमर ने कहा,"हमारा प्रयास है कि किसानों तक वैज्ञानिक तरीके से कृषि ज्ञान पहुंचे, ताकि वे आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर अपनी उपज में वृद्धि होगी।"

माननीय कुलपति, जावेद मुसर्रत ने स्वागत भाषण देते हुए कहा, "इंटीग्रल यूनिवर्सिटी अपने किसानों के योगदान को सराहते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन कर रही है, और हम भविष्य में कृषि क्षेत्र में और अधिक नवाचार लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीक़ी रजिस्ट्रार,इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और डायरेक्टर,इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी ने कहा, "हमारे विश्वविद्यालय का लक्ष्य न केवल कृषि शिक्षा को बढ़ावा देना है,बल्कि किसानों को उन्नत तकनीकों और वैज्ञानिक विधियों से भी अवगत कराना है ताकि वे अधिक उत्पादक और सशक्त बन सकें।"

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए 24 प्रगतिशील किसानों को उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर इंटीग्रल फार्मर एक्सपो का भी आयोजन किया गया,जिसमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संस्थान, निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की विभिन्न कंपनियां,कृषि विज्ञान केंद्र,किसान उत्पादक संगठन और अन्य कृषि क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं ने अत्याधुनिक कृषि तकनीकों का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के समापन पर कृषि विभाग की विभागाध्यक्षा प्रोफेसर सबा सिद्दीक़ी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा, "हमारा उद्देश्य न केवल किसानों को शिक्षा प्रदान करना है, बल्कि उनके समग्र विकास के लिए विभिन्न पहलुओं को सुनिश्चित करना है। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।"

यह आयोजन कृषि के क्षेत्र में नवाचार, विकास और किसानों की समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

December 24, 2024

इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, लखनऊ में राष्ट्रीय किसान दिवस का आयोजन

India Live Today
खबर जिधर नजर उधर

लखनऊ। इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के केंद्रीय सभागार में राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। किसान दिवस विशेष रूप से स्व. चौधरी चरण सिंह जी की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने भारतीय किसानों के हितों के लिए जीवन भर संघर्ष किया और देश में कृषि सुधारों की नींव रखी। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति के एक अहम नेता थे और वे 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे थे। उनका योगदान विशेष रूप से भारतीय कृषि क्षेत्र और किसानों के कल्याण के लिए अभूतपूर्व था।

इस आयोजन में उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव, श्री मनोज कुमार सिंह (IAS) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्री मनोज कुमार सिंह ने अपने संबोधन में किसानों के योगदान को अभूतपूर्व बताया और कहा, “किसान देश के अर्थतंत्र और खाद्य सुरक्षा का आधार हैं। उनके कठिन परिश्रम और समर्पण के कारण ही हमारा देश समृद्ध और सुरक्षित है। स्व.चौधरी चरण याद रखा जाएगा,जिन्होंने आज किसानों के अधिकारों के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया और उनके कल्याण के लिए अनेक क़दम उठाए।” पीएम

मुख्य सचिव ने आगे कहा, “उत्तर प्रदेश सरकार कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने कृषि क्षेत्र में कई नए क़दम उठाए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार कृषि सर्वेक्षण के लिए रिमोट सेंसिंग तकनीकों का उपयोग कर रही है, जिससे भूमि और फसल की स्थिति का सटीक आंकलन किया जा सके। इसके ज़रिए ये पता लगाया जा सकता है कि किस गांव में किस खेत में कौन सी फसल लगी हुई है। इसके साथ ही, मौसम के पूर्वानुमान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार गूगल के साथ सहयोग करने जा रही है जिससे किसानों को वास्तविक समय में मौसम की जानकारी प्रदान की जाएगी, ताकि वे बेहतर निर्णय ले सकें। इस योजना के तहत हर गांव को कुछ किसानों के मोबाइल फोन पर ही अगले दिन के मौसम का पूर्वानुमान भेज दिया जाएगा। यह पहल किसानों के लिए फायदेमंद साबित होगी और उनकी कृषि उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी।”
इसके अलावा मुख्य सचिव ने कहा कि 10 दिसंबर को वॉशिंगटन में वर्ल्ड बैंक के साथ यूपी एग्रीज़ नाम से 4000 करोड़ रुपये की लागत का एक प्रोजेक्ट पारित हुआ है।

December 24, 2024

इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य यूपी के कम कृषि उत्पादन वाले 28 ज़िलों की कृषि उत्पादन क्षमता को राष्ट्रीय औसत के ऊपर लाना है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार कृषि के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) बनाने की योजना पर काम कर रही है ताकि वहां से कृषि उत्पादों का निर्यात किया जा सके। उत्तर प्रदेश सरकार ज़ेवर एयरपोर्ट पर कार्गो जहाज़ों के ज़रिए यूपी के किसानों के कृषि उत्पादनों को सीधे विदेशों में निर्यात करने की योजना पर भी काम कर रही है।"

इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह ने बताया कि "पिछले 6-7 सालों में उत्तर प्रदेश में सिर्फ गन्ना मिलों से गन्ना किसानों को लगभग 2 लाख 60 हज़ार करोड़ रुपयों का भुगतान हो चुका है। जोकि पिछले 20 सालों में हुए भुगतान से सबसे ज्यादा है।"
माननीय चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा, "किसान हमारे समाज की रीढ़ हैं और हम उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। स्व. चौधरी चरण सिंह जी ने हमेशा किसानों की आवाज उठाई और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष किया। इस दिन हम उनके योगदान को सम्मानित करते हुए किसानों के प्रति अपनी आभार व्यक्त करते हैं।"

प्रो चांसलर डॉ. सैयद नदीम अख्तर ने कहा,"कृषि क्षेत्र में नवाचार और उन्नति की दिशा में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी निरंतर कार्य कर रही है और आज का यह आयोजन उसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। हम आगे भी कृषि क्षेत्र में अधिक से अधिक योगदान देने के लिए तत्पर हैं।"
इस कार्यक्रम में अन्य विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR), नई दिल्ली के उप निदेशक जनरल श्री उधम सिंह गौतम और उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि निदेशालय के निदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार तोमर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। श्री उधम सिंह गौतम ने कहा,"कृषि क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के उपयोग से किसानों को अधिक सक्षम बनाया जा सकता है,और यह देश के कृषि विकास में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।"वहीं डॉ. जितेंद्र कुमार तोमर ने कहा,"हमारा प्रयास है कि किसानों तक वैज्ञानिक तरीके से कृषि ज्ञान पहुंचे, ताकि वे आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर अपनी उपज में वृद्धि होगी।"

माननीय कुलपति, जावेद मुसर्रत ने स्वागत भाषण देते हुए कहा, "इंटीग्रल यूनिवर्सिटी अपने किसानों के योगदान को सराहते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन कर रही है, और हम भविष्य में कृषि क्षेत्र में और अधिक नवाचार लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"
प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीक़ी रजिस्ट्रार,इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और डायरेक्टर,इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी ने कहा, "हमारे विश्वविद्यालय का लक्ष्य न केवल कृषि शिक्षा को बढ़ावा देना है,बल्कि किसानों को उन्नत तकनीकों और वैज्ञानिक विधियों से भी अवगत कराना है ताकि वे अधिक उत्पादक और सशक्त बन सकें।"

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए 24 प्रगतिशील किसानों को उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर इंटीग्रल फार्मर एक्सपो का भी आयोजन किया गया,जिसमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संस्थान, निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की विभिन्न कंपनियां,कृषि विज्ञान केंद्र,किसान उत्पादक संगठन और अन्य कृषि क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं ने अत्याधुनिक कृषि तकनीकों का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के समापन पर कृषि विभाग की विभागाध्यक्षा प्रोफेसर सबा सिद्दीक़ी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा, "हमारा उद्देश्य न केवल किसानों को शिक्षा प्रदान करना है, बल्कि उनके समग्र विकास के लिए विभिन्न पहलुओं को सुनिश्चित करना है। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।"
यह आयोजन कृषि के क्षेत्र में नवाचार, विकास और किसानों की समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

December 24, 2024

नोएडा के जेवर एयरपोर्ट से होगा एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स का एक्सपोर्ट; कार्गो प्लेन से विदेश भेजे जाएंगे फल-सब्जी - NOIDA JEWAR AIRPORT

मिडल ईस्ट और यूरोपियन कंट्री को एक्सपोर्ट करने की प्रक्रिया होगी तेज, जेवर एयरपोर्ट पर हो रहा एग्रीकल्चरल कमोडिटीज सेक्टर का निर्माण.

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में किसनों की आय दोगुनी करने के लिए प्रदेश सरकार फल और सब्जियों को दूसरे देशों में एक्सपोर्ट करने की तैयारी कर रही है. इसके लिए नोएडा के जेवर एयरपोर्ट पर अलग से एक कार्गो सेक्टर तैयार किया जा रहा है. जहां से उत्तर प्रदेश के किसानों की फसलों को सीधे मिडल ईस्ट और यूरोपीयन कंट्रीज को एक्सपोर्ट किया जाएगा.

उत्तर प्रदेश ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य भी बनने जा रहा है जो किसानों के उत्पादों को अलग से कार्गो के माध्यम से दूसरे देशों में भेजने की तैयारी कर रहा है. यह जानकारी प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में फार्मर्स डे पर आयोजित एक कार्यशाला के दौरान कहीं.

इस पर इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के फाउंडर एसडब्ल्यू अख्तर, विश्वविद्यालय के कुलपति जावेद मुसरत, डिप्टी डायरेक्टर जनरल एग्रीकल्चर एक्सटेंशन नई दिल्ली डॉ. उदय सिंह गौतम कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति आनंद कुमार सिंह उपस्थित थे. सात साल में यूपी के किसानों की आय दोगुनी हो गई है.

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने बताया कि 7 साल पहले उत्तर प्रदेश के किसानों की सालाना आय $600 के करीब थी. सरकार की नीतियों और उनके प्रयासों से बढ़कर $1300 के करीब पहुंच गई है. जो देश के किसानों के प्रति वर्ष 2300 डॉलर आय के आधा हो गई है.

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जेवर एयरपोर्ट से किसानों के प्रोडक्ट्स को विदेश में भेज कर उनकी आय को और तेजी से बढ़ाने के प्रयास पर काम कर रही है. किसान आमतौर पर अगेहूं, चावल को एक्सपोर्ट करने पर ज्यादा जोर देता है. पर सरकार की कुछ नीतियां ऐसी होती हैं कि देश में खाद्यान्न की कमी और महंगाई अधिक ना बढ़े, इसलिए इन फसलों के एक्सपोर्ट पर समय-समय पर पाबंदी भी लगाती रहती है.

लेकिन, सब्जी और फल ऐसे प्रोडक्ट हैं, जिनका उत्पादन अगर किसान बड़ी संख्या में करता है तो इन्हें आसानी से दूसरे देशों में एक्सपोर्ट किया जा सकता है. क्योंकि, इनके एक्सपोर्ट पर किसी भी तरह की कोई पाबंदी कभी नहीं लगती है. इससे किसानों की जो मौजूदा आय है, उसे बहुत तेजी से बढ़ाया जा सकता है.

मुख्य सचिव ने कहा कि पूरे देश में हर साल लगभग 600 लाख टन अनाज पैदा होता है. जितना देश में गेहूं पैदा होता है उसका 35 फीसदी अकेला यूपी पैदा करता है. यह बहुत बड़ा आंकड़ा है. 400 लाख टन फ्रूट्स एंड वेजिटेबल यूपी हर साल पैदा करता है.

मुख्य सचिव ने कहा कि हिंदुस्तान व उत्तर प्रदेश में जो खेती है वह बाकी दुनिया के खेती से बिल्कुल अलग है. पूरी दुनिया में हम यह सुनते हैं कि लोग जब एग्रीकल्चर में एक समय तक काम कर लेते हैं. तो उसके बाद वहां से वर्कफोर्स निकालकर मैन्युफैक्चरिंग में जाती है, फिर मैन्युफैक्चरिंग से वर्कफोर्स निकलकर और सर्विसेज में जाती है. लेकिन हम लोगों ने अपने देश में देखा है कि मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज दोनों एक साथ बढ़ाना शुरू हुई.

फिर सर्विसेज काफी आगे बढ़ गया और मैन्युफैक्चरिंग बीच में ठहर गया. हिंदुस्तान में खेती की जो अहमियत है वह और देश की तरह नहीं है. आज की तारीख में उत्तर प्रदेश की जो अर्थव्यवस्था है वह लगभग 28 लाख करोड़ की है. 28 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान 25% दिया है. मैन्युफैक्चरिंग का योगदान 25 % दिए हैं और जो सर्विसेज है. इसका योगदान लगभग 50% है.

December 24, 2024

आप की ख़बर

Integral Institute of Agricultural Sciences and Technology, Integral University, Lucknow Celebrates National Farmers' Day

Lucknow, 24th December 2024: Integral Institute of Agricultural Sciences and Technolog (IIAST), Integral University, Lucknow organized the National Farmers' Day on 24 December 2024. The event honor and recognize the contributions of farmers to society, particularly in ensuring food security and sustaining agricultural practices.

Hon'ble Chancellor Professor Syed Waseem Akhtar also shared his thoughts, saying, "Farmers are the backbone of our society, and we are committed to providing them with every possible support. Late Chaudhary Charan Singh always stood up for the rights of farmers and fought for them. Today, we honor his contributions and express our gratitude to the farmers."

December 24, 2024

Pro Chancellor Dr. Syed Nadeem Akhtar stated, “Integral University is continually working towards innovation and progress in the agricultural sector, and today’s event is a testament to that commitment. We are eager to contribute more to the agriculture sector in the future.”

The Chief Secretary of Uttar Pradesh, Mr. Manoj Kumar Singh (IAS), attended the event as the Chief Guest. In his address, Mr. Singh described the contributions of farmers as unparalleled, stating, "Farmers are the backbone of the nation's economy and food security. It is because of their hard work and dedication that our country is prosperous and secure. The contribution of Late Chaudhary Charan Singh will always be remembered, as he fought for the rights of farmers and took numerous steps for their welfare." He added, "The Uttar Pradesh government is constantly working towards the overall development of the agricultural sector. He highlighted that the state government has taken several new initiatives in agriculture. Uttar Pradesh is using remote sensing technologies for agricultural surveys to accurately assess land and crop conditions. This will help identify which crops are grown in which fields in every village. Furthermore, the Uttar Pradesh government will be collaborating with Google for weather forecasting, providing real-time weather updates to farmers so they can make informed decisions. Under this scheme, weather forecasts for the next day will be sent to farmers' mobile phones in every village. This initiative will benefit farmers and improve their agricultural productivity."

Additionally, the Chief Secretary mentioned that a project worth ₹4,000 crore named "UP AgriZ" was approved in Washington with the World Bank on 10th December. The primary goal of this project is to enhance the agricultural productivity of 28 districts in Uttar Pradesh that have lower agricultural output, bringing them above the national average. The Uttar Pradesh government is also working on creating a Special Economic Zone (SEZ) for agriculture, enabling the export of agricultural products. Furthermore, plans are underway to export agricultural products directly from Uttar Pradesh to foreign markets via cargo flights from Jewar Airport."

December 24, 2024

Hon'ble Vice Chancellor Mr. Javed Musarrat, in his welcome speech, stated, "Integral University is organizing this event in recognition of the invaluable contribution of farmers, and we are committed to bringing more innovation to the agriculture sector in the future."

Other distinguished guests included Mr. Udham Singh Gautam, Deputy Director-General, Indian Council of Agricultural Research (ICAR), New Delhi, and Dr. Jitendra Kumar Tomar, Director, Directorate of Agriculture, Uttar Pradesh. Mr. Udham Singh Gautam emphasized the use of the latest technologies in agriculture to empower farmers, which would play a crucial role in the country's agricultural development. Dr. Jitendra Kumar Tomar mentioned, "Our goal is to ensure that agricultural knowledge reaches farmers through scientific methods so they can adopt modern farming techniques and increase their yield."

Professor Mohammad Haris Siddiqui, Registrar, Integral University and Director, Integral Institute of Agricultural Sciences and Technology in the introductary remarks said, "Our university's goal is not only to promote agricultural education but also to introduce farmers to advanced technologies and scientific methods so that they can become more productive and empowered."

The highlight of the event was the honoring of 24 progressive farmers from various districts of the state for their invaluable contributions. The event also featured the Integral Farmer Expo, where national and international institutions, private and public sector companies, agricultural science centers, farmer producer organizations, and other agriculture-related entities showcased cutting-edge agricultural technologies. It also witnessed the commemoration of ICAR accreditation of Bsc (Hons) Agriculture Programme, release of brochure for National Conference on Unlocking Artificial Intelligence and Robotics Driven Smart Agriculture for (Viksit Bharat), organized by IIAST, felicitation of Krishi Vigyan Kendras (KVKs) and Farmer Producer Organizations (FPOs).

At the conclusion of the program, Professor Saba Siddiqui, Chairperson of the Department of Agriculture, expressed gratitude, stating, "Our aim is not only to provide education to farmers but also to ensure various initiatives for their overall development. Integral University is continuously working in this direction."

This event reflects the university's commitment to promoting innovation, development, and the prosperity of farmers in the agricultural sector.

December 24, 2024

CJNEWS

मनकापुर कृषि विज्ञान केंद्र में राष्ट्रीय किसान दिवस पर सम्मान समारोह

गोंडा: इंटीग्रल विश्वविद्यालय कुर्सी रोड लखनऊ के द्वारा राष्ट्रीय किसान दिवस का आयोजन मंगलवार को किया गया। इस अवसर पर खेती में उल्लेखनीय कार्य करने वाले प्रदेश के विभिन्न जनपदों के कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषको को पुरस्कृत किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र मनकापुर गोंडा को इंटीग्रल विश्वविद्यालय कृषि स्नातक अंतिम वर्ष के रावे छात्रों का सफल प्रशिक्षण कराने हेतु पुरस्कृत किया गया। डॉ. रामलखन सिंह वरिष्ठ वैज्ञानिक शस्य विज्ञान द्वारा पुरस्कार प्राप्त किया गया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र मनकापुर द्वारा प्रशिक्षित प्रगतिशील कृषक राजेश कुमार वर्मा ग्राम छिटईजोत विकासखंड मनकापुर जनपद गोंडा के द्वारा अमरूद प्रजाति पिंक ताइवान की खेती करने पर पुरस्कृत किया गया। प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर डा. यू एस गौतम उप महानिदेशक कृषि प्रसार, इंटीग्रल विश्वविद्यालय के कुलपति मो. जावेद मुशर्रफ, डॉ.सबा सिद्दीकी अध्यक्ष कृषि विज्ञान संकाय, मो. जुबेर अध्यक्ष मीडिया विभाग, डॉ.स्मृति मृदा विज्ञान विभाग,डॉ.अंबरीश यादव शस्य विज्ञान विभाग आदि उपस्थित रहे। राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर एक कृषि प्रदर्शनी एवं किसान गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। कृषि प्रदर्शनी में कृषि विज्ञान केन्द्रों बहराइच प्रथम, सीतापुर, हैदरगढ़ बाराबंकी, हरदोई आदि, राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान लखनऊ, केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान लखनऊ आदि के द्वारा उन्नत कृषि तकनीक का मॉडल प्रदर्शित कर कृषकों को तकनीकी जानकारी दी गई।